

आधुनिक

Aadhunik
Sahitya

ISSN 2277 - 7083

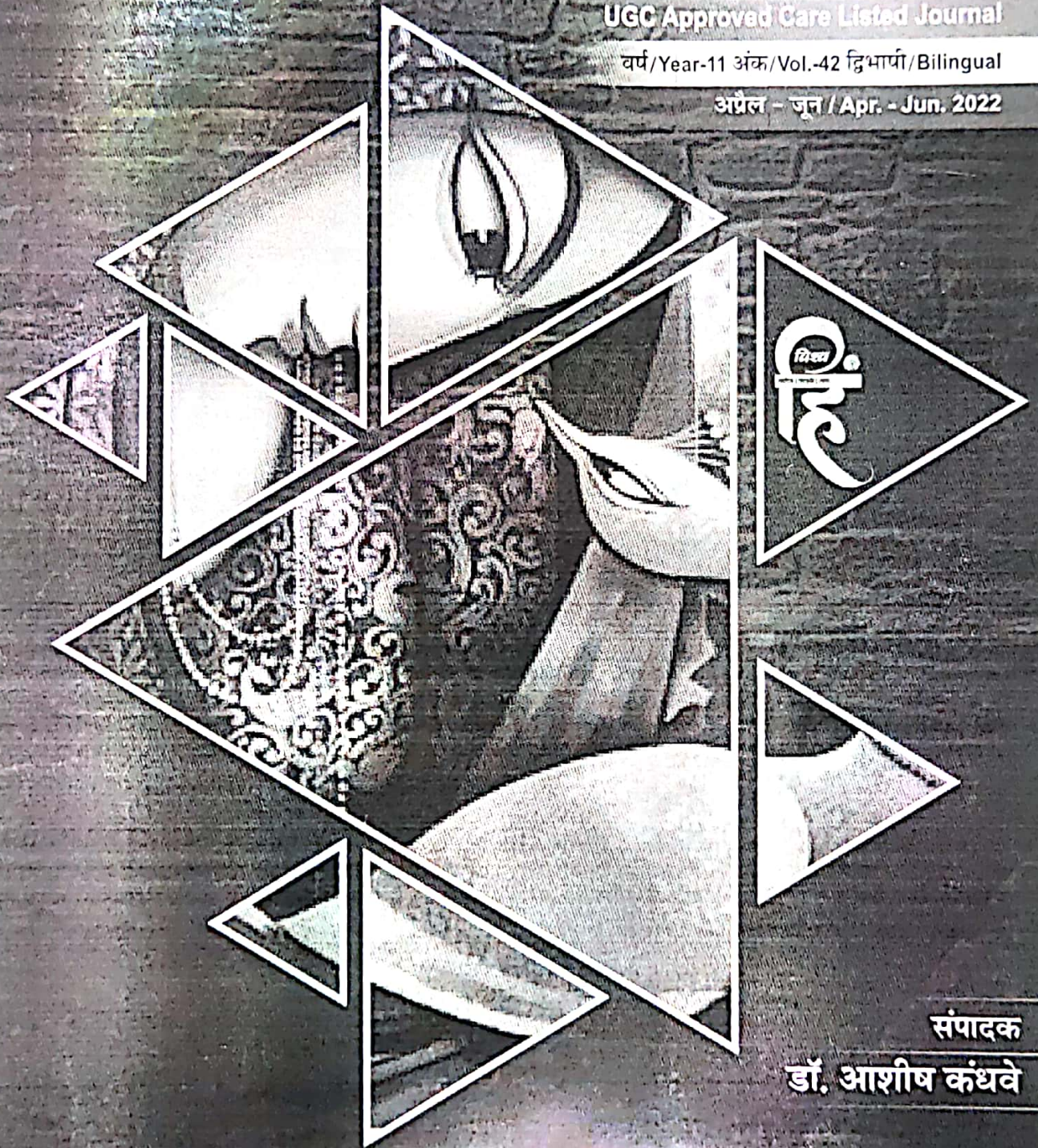
साहित्य

साहित्य, संस्कृति एवं आधुनिक सोच की त्रैमासिकी

UGC Approved Care Listed Journal

वर्ष/Year-11 अंक/Vol.-42 द्विभाषी/Bilingual

अप्रैल - जून / Apr. - Jun. 2022



संपादक
डॉ. आशीष कंधवे

आधुनिक साहित्य

UGC Approved Care Listed Journal

साहित्य, संस्कृति एवं आधुनिक सोच की त्रैमासिकी

वर्ष/Year-11 अंक/Vol.-42

अप्रैल-जून 2022/April-June 2022

द्विभाषी/Bilingual

Aadhunik Sahitya

संपादक

डॉ. आशीष कंधवे*

Editor

Dr. Ashish Kandhway

संरक्षक

प्रो. उमापति दीक्षित
कुमार अविकल मनु

Patron

Prof. Umapati Dixit
Kumar Avikal Manu

उप संपादक

रजनी सेठ

Sub Editor

Rajni Seth

प्रबंध संपादक

ममता गोयनका

Managing Editor

Mamta Goenka

विशेष संवाददाता (अमेरिका)

रश्मि शर्मा

Special Correspondent (USA)

Rashmi Sharma

संवाददाता (अंग्रेजी)

निलांजन बैनर्जी

Correspondent (English)

Nilanjan Banerjee

*आशीष कंधवे (मूल नाम आशीष कुमार)

आधुनिक साहित्य में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबन्धित लेखकों के हैं जिनसे संपादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं पत्रिका से जुड़े किसी भी व्यक्ति का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। सभी विवादों का निपटारा दिल्ली क्षेत्र के अन्तर्गत सीमित है। पत्रिका में सम्पादन से जुड़े सभी पद गैर-व्यावसायिक एवं अवैतनिक हैं।

अनुक्रम

संपादकीय

- डॉ० आशीष कंधवे / इतिहास बोध : नैसर्गिक निर्दोष मनःस्थिति का यथार्थ / 8

शोध-संसार

- डॉ. नवकान्त दास एवं प्रांजल कुमार नाथ / भारतीय संस्कृति में शंकरदेव.... / 16
- डॉ. ब्रह्मलता / मनमोहन सहगल के उपन्यासों में संघर्षशील नारी / 23
- डॉ. प्रेमप्रकाश मीणा / प्रश्न मीडिया की भाषा / 29
- श्रीमती निकिता रामटेके एवं डॉ. शंकर मुनि राय / गिरीश पंकज के कथा साहित्य... / 32
- अजय कुमार यादव एवं डॉ. कविता पड़ेगाँवकर / महिला एवं पुरुष हैंडबॉल खिलाड़ियों के व्यक्तित्व के गुणों का तुलनात्मक अध्ययन / 37
- बसन्त कुमार / भाषा और व्यक्तित्व / 41
- मनीष कुमार कुर्रे / छत्तीसगढ़ का इतिहास (नामकरण के संदर्भ में) / 44
- चैतराम यादव एवं डॉ. (श्रीमती) बी.एन. जागृत / डॉ. गणेश खरे का हिन्दी साहित्य... / 53
- एस कुमार गौर एवं डॉ. (श्रीमती) बी.एन. जागृत / कृष्णा सोबती के उपन्यासों में स्त्री पात्रों की प्रासंगिकता (वर्तमान संदर्भ में) / 57
- डॉ. प्रियंका सिंह / समकालीन आदिवासी कविता : समस्याएँ और चुनौतियाँ / 62
- रूबी शर्मा एवं डॉ. विनोद कुमार जैन / समाकेतिक शिक्षा में डिजिटलीकरण से विद्यार्थियों के शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन / 66
- डॉ. सुनीता शर्मा / समकालीन हिन्दी कविता में चित्रित पर्यावरण प्रदूषण (राजेश जोशी और ज्ञानेन्द्रपति के विशेष संदर्भ में) / 74
- सोनिया / रामचरितमानस की वर्तमान में प्रासंगिकता / 82
- माहेश्वरी एवं डॉ. चन्द्रकुमार जैन / स्त्री-विमर्श : समकालीन परिप्रेक्ष्य में / 86
- डॉ. भास्कर लाल कर्ण / भारतीय आधुनिकता / 89
- डॉ. वेदप्रकाश / भारतेंदु का बलिया व्याख्यान और वर्तमान परिदृश्य / 96
- डॉ. जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय / सूचना क्रांति के दौर में भाषिक चुनौतियाँ / 101
- दीपमाला एवं डॉ. कविता पड़ेगाँवकर / ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन / 106
- सत्येन्द्र पाण्डेय / आदमी का जहर बनाम मोछू नेटुआ / 109
- डॉ. अंजू बसंल / भारतीय संस्कृति के दर्पण में 'विदुर नीति' / 115
- प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल एवं दीप्ति ठाकुर / साहित्य में व्यंग्य / 122
- गिरजेश कुमार / मानव समाज को सामाजिक समरसता का पाठ.... / 125
- रेणु देवी / स्त्री चेतना का सांख्यिक स्वरूप : ममता कालिया का नरक.... / 130
- संदीप सो. लोटलीकर / लेखक-पत्नी की त्रासदी की गाथा 'एक कहानी यह भी' / 135
- डॉ. वीरेन्द्र सिंह यादव / हिन्दी यात्रा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन / 141
- डॉ. मधु कौशिक / भारतीय रंगमंच में मंच की शास्त्रीय परिकल्पना / 145

ENGLISH SECTION

Research Article

- Amandeep Kumar / A case study: Anti-India Activities of ISI / 153
- Dr. Vibha Srivastava / Drug Patent Issues In IPR vis-a-vis Public.... / 160
- Dr. M.N.V. Preya / Impinging and Enslavement in Kamala Markandaya's novels *Nectar in a Sieve* and *The Coffers Dams* / 169
- Aiswarya B and Dr. T.S. Ramesh / Estrangement of Psyche in Anita Desai's *Cry, the Peacock* and *Fire on the Mountain* / 175
- Ms. Swati Hooda and Dr. Mayur Chhikara / Intersecting Identities in.... / 180
- Dhivya Bharathi R and Dr. T.S. Ramesh / Peeking Ambivalent Sexism viz., Nisha and Aasha Rani of Shobha De's *Sultry Days* and.... / 188
- Deepak Kumar Kashyap and Dr. Anupama Saxena / Political Participation of Women in Chhattisgarh Panchayati Raj Institutions / 192
- Kamaljit Kour / Postcolonial Ecofeminism in India: Divergent Trajectories and Emergent Voices / 196
- Dr. Ramyabrata Chakraborty / Untouchability as an Impediment to Indian Nationalism: A Re-Reading of Mulk Raj Anand's *Untouchable* / 205
- Tania Shri and Dr. Vandana Sharma / Paradigms of Gender and Environment Debate in Mahasweta Devi's 'The Hunt' and.... / 211
- Dr. Mary Sandra Quintal / Revealing the Complexity of Connectedness in Robertson Davies' *Fifth Business* / 219
- Sahil Bhagat / Towards Climate Consciousness: Unveiling the Issues of Climate Change in Barbara Kingsolver's *Flight Behavior* / 226
- Amita and Dr. Tamishra Swain / Exploration of Female Consciousness in Urmila Pawar's *The Weave of My Life: A Deconstructionist Study* / 233
- B. Ramya / A Study on Sin of Despair: With Reference to Vikram Chandra's Select Works / 239
- Indusoodan I and Dr. S. Geetha / Representation of African Culture and African Consciousness in the Fiction of Ben Okri / 244
- K. Jefferson and Dr. V. Radhakrishnan / A Study on Enhancing Writing Skills Using Descriptive Tasks at the Tertiary Level / 248
- S. Priyadharsini and Dr. C.G. Sangeetha / Inevitable Modifications and Natural Calamities in Paolo Bacigalupi's *The Windup Girl* / 254
- R. Gomathy and Dr. V. Radhakrishnan / Enhancing the Reading Competency of the L2 Learners by using CLIL with Metacognitive Strategies / 259

Political Participation of Women in Chhattisgarh Panchayati Raj Institutions

–Deepak Kumar
Kashyap
–Dr. Anupama
Saxena

It was governed by the Gram panchayats, which were self-governing units. The village communities of Chhattisgarh which were unnaovas in Kalchuri, suffered a setback during the Maratha rule and after that they came to an end under British rule. In 1861 AD, when the central provinces was established as a separate province. Then, there was a new beginning of the administration of rural and urban areas, accordingly the first Municipal Act in the Central Provinces was passed in 1873, it remained till 1883.

Democracy is considered to be the best form of government, because of public participation in decision making process for establish this better, a decentralized system of local autonomous institutions was started in India. In India, this decentralization has happened at the grassroots level, and through the 73rd Constitutional Amendment, one third of the seats have been reserved for women in these institutions, as a result of which at present lakhs of women are playing their role as panchayat representatives, leading to rural self-government. Women's political participation has increased and women's leadership has developed. The Panchayat Raj Act implemented in Madhya Pradesh was implemented in Chhattisgarh, which was named as Chhattisgarh Panchayat Raj Act, 1993, which became the basis of the present local self government system in Chhattisgarh. Since 2008, Panchayati Raj Amendment Act has increased the seats reserved for women from 33 percent to 50 percent, this amendment is a revolutionary step for the participation of women in rural development programs, whose positive changes will be seen in the coming times.

KEY WORDS: Political Participation, Reservation, Rural Self-Government, Democratic Decentralization,

HISTORICAL PERSPECTIVE

Since ancient times, Chhattisgarh has a tradition of getting justice through panchayats. Gram Panchayat existed even during the Maratha regime. The Gautiya of the village used to call a meeting of the Panchayat to settle the mutual dispute.

